BSES

भीड़–भाड़ वाले इलाकों के लिए बीएसईएस ने विकसित की नई टेक्नोलॉजी

मुख्यमंत्री ने किया 2–एमवीए क्षमता वाले दिल्ली के पहले वितरण ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन

नई दिल्लीः 27 जुलाई, 2017। भीड़–भाड़ वाले इलाकों में बिजली नेटवर्क के विस्तार के लिए जगह की कमी को देखते हुए बीएसईएस ने एक नई टेक्नोलॉजी विकसित की है। इसके तहत, बीएसईएस इंजीनियरिंग टीम ने 2–एमवीए की क्षमता वाला एक अत्याधुनिक व शक्तिशाली वितरण ट्रांसफॉर्मर विकसित किया है। यह इन–हाउस ट्रांसफार्मर, 990–केवीए के पारंपरिक ट्रांसफॉर्मरों के मुकाबले दोगुनी बिजली की आपूर्ति करेगा। जबकि, इसे लगाने के लिए पारंपरिक ट्रांसफॉर्मर के मुकाबले कुछ ही अधिक जगह की जरूरत होगी।

नई टेक्नोलॉजी की मदद से तैयार किया गया यह ट्रांसफॉर्मर लगभग मेंटेनेंस फ्री होगा। मेंटेनेंस व रख–रखाव के लिए इस ट्रांसफार्मर को बार–बार बंद नहीं करना पड़ेगा, और लोगों को पहले के मुकाबले बेहतर बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

इसी कड़ी में, आज माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविन्द केजरीवाल ने बाटला हाउस इलाके में दिल्ली के पहले 2–एमवीए वितरण ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन किया और उसे जनता को समर्पित किया। इस असवर पर माननीय ऊर्जा मंत्री श्री सत्येंद्र जैन और इलाके के माननीय विधायक श्री अमानातुल्लाह खान उपस्थित थे। सीईओ श्री अमल सिन्हा के नेतृत्व में बीआरपीएल के वरिष्ठ अधिकारी भी वहां मौजूद थे।

इस मौके पर बीआरपीएल सीईओ श्री अमल सिन्हा ने कहा– अपने करीब 24 लाख उपभोक्ताओं को विश्वसनीय व गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बीआरपीएल शुरूआत से ही नई तकनीकों को अपनाती रही है। 2–एमवीए का यह अत्याधुनिक वितरण ट्रांसफॉर्मर बीआरपीएल के इन्हीं प्रयासों का परिणाम है।

बाटला हाउस में दिल्ली का पहला 2–एमवीए वितरण ट्रांसफॉर्मर

बाटला हाउस इलाके के जोगा बाई एक्सटेंशन में आज दिल्ली का पहला 2–एमवीए वितरण ट्रांसफॉर्मर लगाया गया। वर्तमान में यहां बिजली का लोड करीब 3.8 एमवीए है। यहां स्थित बिजली वितरण ट्रांसफॉर्मर काफी ज्यादा ओवर लोडेड था, क्योंकि नेटवर्क विस्तार के लिए जगह की कमी थी। इस चुनौती से निपटने के लिए बीएसईएस ने 2 एमवीए का एक ट्रांसफॉर्मर विकसित कर, इसे पायलट आधार पर यहां लगाया है। इसके फायदों के अध्ययन के बाद, इसे अन्य कंजस्टेड इलाकों में लगाया जाएगा। इस ट्रांसफॉर्मर से बाटला हाउस के निकट स्थित जोगा बाई एक्सटेंशन के आर और एस ब्लॉक के निवासियों को काफी फायदा होगा।

बीआरपीएल सीईओ श्री अमल सिन्हा के मुताबिक– इस साल गर्मियों के दौरान, जामिया नगर इलाके में बिजली नेटवर्क के विस्तार व सुधार पर हम ने करीब 10 करोड़ रूपये लगाए हैं। यहां एक नया पावर ट्रांसफॉर्मर और फीडर्स लगाए गए हैं। अगली गर्मियों के पहले हम इस इलाके में बिजली नेटवर्क के विस्तार में और 4 करोड़ रूपये लगाएंगे।

भविष्य की जरूरत हैं 2–एमवीए के वितरण ट्रांसफॉर्मर

अनाधिकृत और गैर योजनाबद्ध तरीके से बसीं कॉलोनियों में बिजली नेटवर्क के विस्तार के लिए जगह नहीं मिल पा रही है। बढ़ती आबादी के कारण बिजली की मांग में तो बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन जगह की कमी के कारण, उस बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए जरूरी नेटवर्क विस्तार में काफी दिक्कतें आ रही हैं। इस वजह से, भीड़–भाड़ वाले कंजस्टेड इलाकों में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करना दिनोंदिन चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। इन्हीं चुनौतियों को देखते हुए बीएसईएस ने 2–एमवीए क्षमता वाले शक्तिशाली

ट्रांसफॉर्मर विकसित किए हैं, जो पारंपरिक 990 केवीए क्षमता वाले ट्रांसफॉर्मरों के मुकाबले कुछ ही ज्यादा जगह घेरेंगे। साथ ही, वे पारंपरिक ट्रांसफॉर्मरों के मुकाबले दुगुनी बिजली की आपूर्ति करेंगे।

एक साल में लगाए 670 नए ट्रांसफॉर्मर

अपने उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए बीएसईएस ने वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान नेटवर्क को अपग्रेड करने में करीब 700 करोड़ रूपये का निवेश किया है। वित्त वर्ष के दौरान बीएसईएस ने अपनी बिजली वितरण क्षमता में 600 एमवीए की बढ़ोतरी की। उल्लेखनीय है कि इस दौरान बीएसईएस ने 670 नए ट्रांसफॉर्मर लगाए हैं।

प्रमुख बिजली वितरण कंवनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।